कण कण में तेरा वास प्रभु,
जो करे दुखों का नाश प्रभु,
दुनिया भर की खुशियां,
मेरे पास आ गई,
थारे धाम की माटी,
म्हारै रास आ गई
खाटू धाम की माटी,
म्हारै रास आ गई,
कण कण में तेरा वास प्रभु।।

कोई नहीं दिख्यो अपणो जद,
तू ही नजर मनै आयो,
खाटू नगरी आ बैठयो,
जब मेरो जी घबरायो,
पैर धरयो खाटू में,
सांस मैं सांस आ गई,
थारे धाम की माटी,
म्हारै रास आ गई।।

खाटू की माटी का हमने,
देखा अजब नजारा,
क्या निर्धन क्या सेठ सभी को,
इसने पार उतारा,
दुनिया सारी करके,
ये विश्वास आ गई,

थारे धाम की माटी,
म्हारै रास आ गई।।

रेत नहीं मामूली ये तो,
है संजीवन बूटी,
मौज करूं दिन सांवरा,
सोऊं तान के खूंटी,
होली और दीवाली,
बारहों मास आ गई,
थारे धाम की माटी,
म्हारै रास आ गई।।

तेरी इस पावन मिट्टी में,
मैं मिट्टी हो जाऊं,
सदा सदा के लिए तेरे,
इन चरणों में सो जाऊं,
नरसी के होंठो पे इतनी,
प्यास आ गई,
खाटू धाम की माटी,
म्हारै रास आ गई।।

कण कण में तेरा वास प्रभु,
जो करे दुखों का नाश प्रभु,
दुनिया भर की खुशियां,
मेरे पास आ गई,
थारे धाम की माटी,
म्हारै रास आ गई
खाटू धाम की माटी,

म्हारै रास आ गई,
कण कण में तेरा वास प्रभु।।

लेखक एवं गायक
श्री नरेश नरसी जी (फतेहाबाद)
भजन प्रेषक
प्रदीप सिंघल (जीन्द वाले)

Source: https://www.bharattemples.com/khatu-dham-ki-mati-mhare-raas-aa-gayi/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw